CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-89
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

रिश्तों को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा, कभी गंगा और कभी बहरा भी होना पड़ता है।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शुक्रवार, 05 जुलाई 2024

IAS हो तो एस. सिद्धार्थ जैसाः ट्रेन की जनरल बोगी में खड़े होकर शिक्षा विभाग के ACS ने किया सफर

स्कूल का औचक निरीक्षण करने लोकल ट्रेन से पहुंचे, यात्रियों ने भी नहीं पहचाना

चन्दन कुमार चौबे 7 सिटी चीफ

पटना, पिछले दिनों शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ पटना के गर्दनीबाग स्लम बस्ती में पहुंचे थे जहां घरों के दरवाजों पर दस्तक देकर बच्चों के अभिभावकों से पूछने लगे कि बच्चे स्कूल क्यों नहीं गये है? फिर पटना के एक सरकारी स्कूल में जाकर वहां पढ़ाई कर रहे बच्चों से भी मिले और बातचीत की। बच्चों से पूछे कि स्कूल ड्रेस में क्यों नहीं आते हो? तब बच्चों ने कहा था कि सर गर्मी बहुत लगता है इसलिए स्कूल ड्रेस नहीं पहनते हैं। जबकि शिक्षिका ने कहा था कि स्कूल ड्रेस का पैसा लेते है लेकिन ड्रेस नहीं खरीदते हैं। इस दौरान एस सिद्धार्थ ने स्कूल का भी निरीक्षण किया। बिहार में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए वो लगातार स्कूलों का निरीक्षण कर रहे हैं। अब 1991 बैच के आईएएस अधिकारी एस. सिद्धार्थ एक बार फिर सुर्खियों में आ गये हैं। पटना जंक्शन से लोकल ट्रेन में खड़ा होकर उन्होंने बिहिया तक का सफर तय किया। ट्रेन के जनरल डिब्बे में बैठे किसी भी यात्री को यह भनक नहीं लगी कि उनके साथ खड़े होकर जो यात्रा कर रहे हैं वो बिहार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। हालांकि इस दौरान उन्होंने लोकल ट्रेन में बैठे यात्रियों से भी बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर बातचीत की और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए उनकी राय भी ली। सोशल मीडिया पर जब यह वीडियो वायरल हुआ तब उनकी सादगी की चर्चा होने लगी है। वायरल वीडियो को देखकर हर कोई एस सिद्धार्थ का मानो फैन हो गया है। लोग कहने लगे हैं कि अधिकारी हो तो एस सिद्धार्थ जी के जैसा हो।

सोशल मीडिया पर इनके वीडियो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। वायरल वीडियो को लाइक और शेयर भी लोग कर रहे हैं। बिहिया स्टेशन पर उतरने के बाद डॉ. एस. सिद्धार्थ पैदल ही भोजपुर के बिहिया स्थित कन्या मध्य विद्यालय के लिए निकल गये। इस दौरान कुछ छात्राएं उन्हें मिलती है जिन्हें रोककर वो सवाल करते हैं कि पूछते है कि कहां पढ़ती हो तब छात्राएं बोली कि कन्या मध्य विधालय में पढ़ते हैं। स्कूल से छुट्टी कैसे हो गया तब छात्राओं ने कहा कि अभी लंच हुआ है। गेट खुला हुआ है लंच टाइम कोई भी बाहर निकल जाता है। मास्टर साहब टाइम पर आते हैं तो छात्राएं बोली कि हां मास्टर साहब स्कूल आते हैं। जिसके बाद वो बिहिया स्थित कन्या मध्य विद्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचते हैं जहां उन्हें देखकर शिक्षक-शिक्षिका भी हैरान रह जाते हैं। इस दौरान एस सिद्धार्थ क्लास में पढ़ रहे बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों से भी मुलाकात करते हैं। बच्चों से पढ़ाई के बारे में पूछने लगते हैं। इस दौरान अपर मुख्य सचिव शिक्षकों को आवश्यक निर्देश भी देते नजर आते हैं। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अपर मुख्य सचिव की सादगी की चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हो रही है।

गर्भवती महिलाओं को बहला फुसलाकर निजी अस्पताल ले जानेवाली आशा कार्यकर्ताओं को होगी जेल

रोगी कल्याण समिति की बैठक में एसडीएम ने दिया आदेश

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी, मोतिहारी में रोगी कल्याण समिति की बैठक में सरकारी अस्पताल में प्रसव के मरीज की संख्या घटने पर चिंता व्यक्त करते हुए अरेराज एसडीओ अरुण कुमार ने बड़ा आदेश दिया है। एसडीओ ने अस्पताल में प्रसव के लिए आई महिलाओं को आशा द्वारा बहला फुसलाकर प्राइवेट क्लिनिक में ले जाने की शिकायत पर चिन्हित कर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने का निर्देश दिया। वही अस्पताल के अतिक्रमित भूमि को चिन्हित कर सीओ को मापी के लिए प्रतिवेदन भेंजेने का निर्देश दिया गया। जबकि पंजी अपडेट नही मिलने पर अस्पताल लेखपाल से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया। वही सीडीपीओ के जगह मीटिंग में शामिल होने पहुंची एलएस को बैठक से बाहर करने का भी निर्देश दिया गया। अस्पताल में लचर एम्बुलेंस व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए वैकल्पिक व्यवस्था करने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही वर्षो से बंद पड़े अल्ट्रासाउंड को सुचारू कर मरीजो को लाभ दिलाने का निर्णय लिया गया। रैबीज के इंजेक्शन में रुपया वसूली करने वाले कर्मी पर जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

बताते चलें की अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल के सभागार में रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष सह एसडीओ अरुण कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को रोगी कल्याण समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। अस्पताल में प्रसव के मरीज की संख्या घटने पर चिंता जाहिर किया गया। वही सरकारी अस्पताल में संस्थागत प्रसव बढ़ाने व बन्धयाकरण की संख्या बढ़ाने को लेकर जीविका, बीपीएम, सीडीपीओ व बीईओ को लोगो जागरूक करने का आदेश दिया गया।

वही प्रसव के लिए अस्पताल में आने वाले मरीजो को बहला फुसलाकर कमीशन के चक्कर मे कुछ आशा द्वारा प्राइवेट में ले जाने का मुद्दा उठाया गया। जिस पर एसडीओ द्वारा वैसे आशा जो मरीज को बहला फुसलाकर मरीजो को प्राइवेट में ले जाती है उन्हें चिन्हित कर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने का निर्देश दिया गया। साथ ही अस्पताल में मरीजो की सुविधा के लिए बंद पड़े अल्ट्रासाउंड को सुचारू करने के लिए रोगी कल्याण समिति के प्रस्ताव पर टेक्नीशियन की बहाली कर प्रति अल्ट्रासाउंड एक सौ रुपया चार्य लेने का निर्णय लिया गया।

इस मौके पर नगर मुख्य पार्षद द्वारा निजी कोष से अनुमंडलीय अस्पताल में ईसीजी मशीन देने का निर्णय लिया गया। अस्पताल में एक मात्र एम्बुलेंस होने व खराब रहने का भी सवाल उठाया गया। जिस पर पीपरा अस्पताल से एम्बुलेंस का सहयोग लेने की बात कही गयी। वही अतिक्रमित पुरानी पीएचसी के जगह को सीओ से मापी कराकर अतिक्रमणमुक्त कराया गया। वही अस्पताल आउटडोर से पुर्जा कटने के एवज में आने वाली राशि का रोकड़ पंजी चार माह से अपडेट नही होने को लेकर लेखपाल से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया। मंदिर महंत रविशंकर गिरी द्वारा एम्बुलेंस की खराब बैट्री लगवाने की बात कही गयी। मौके पर डीसीएलआर इति चतुर्वेदी, मंदिर महंत रविशंकर गिरी ,बीईओ सुधा कुमारी, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ उज्ज्वल कुमार,डॉ कमल कुमार सहित उपस्थित थे।

जिले के व्यवहार न्यायालय में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी पर परिवाद दायर

चन्दन कुमार चौबे। सिटी चीफ

शिवहर, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व केंद्र में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी पिता स्वर्गीय राजीव गांधी पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमान जनक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए शिवहर थाना क्षेत्र के जाफरपुर निवासी चुल्हाई गिरी के पुत्र नीतीश कुमार गिरी के द्वारा मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी शिवहर के समक्ष परिवाद दायर किया गया है। राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 302 के तहत मामला दर्ज कराया गया है।मामले के परिवादी नितेश कुमार गिरी ने कहां है कि हिंदू धर्म का अपमान सार्वजनिक मंच से हिंदू धर्मावलबीयो की घोर अपमान करने पर मेरी भावना आहत हुई है। शिवहर की कोर्ट में आज बृहस्पतिवार को कांग्रेस पार्टी के सांसद और नेता विरोधी दल राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर हुआ है।सोमवार को सदन में सत्र के दौरान राहुल गांधी के द्वारा हिन्दुओं को लेकर की गई टिप्पणी से आहत होकर हिंदूवादी नेता नितेश कुमार गिरी ने परिवाद दायर किया है। कोर्ट ने मामले को स्वीकार कर ली हैं। परिवाद पत्र सी-1 162 2024 के तहत मामला कोर्ट ने स्वीकार कर ली है।

रोहतास में सोन नदी पर निर्माणाधीन पुल के पिलर में आई दरार

क्या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा 196 करोड़ का ब्रिज?

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बिहार, रोहतास में पुल के पिलर में दरार आ गई है, मामला जिले के सुदूरवर्ती नौहट्टा का है। जहां 196.12 करोड़ की लागत से सोन नदी पर पुल का निर्माण कराया जा रहा है। इस निर्माणाधीन पुल के पिलर दरार आने की शिकायत मिली है। जिसके बाद बिहार राज्य पुल निगम के अधिकारी उसकी जांच करने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पुल भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। असल में नौहट्टा प्रखंड के रघुनाथपुर के पास पंडुका गांव से झारखंड के पलामू जिले को जोड़ने वाली सोन नदी पर एक ब्रिज का निर्माण हो रहा है। फिलहाल पाया (पिलर) का निर्माण कार्य चल रहा है। ग्रामीणों ने शिकायत की है कि 19 नंबर पिलर में दरार देखी गई है। जिसकी शिकायत पर पुल निर्माण निगम के अधिकारी जब पहुंचे तो वहां पर ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए और पुल के निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाया।

रात के अंधेरे में गर्लफ्रेंड से मिलने जाना युवक को पड़ा भारी

ग्रामीणों ने मंदिर में करा दी शादी

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

गया, गया में एक युवक को रात के अंधेरे में अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने जाना काफी महंगा पड़ गया। दोनों प्रेमी युगल एक-दूसरे से मिल रहे थे, तभी परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें धर दबोचा और गांव के मंदिर में ले जाकर दोनों की शादी करा दी। घटना बांकेबाजार थाना क्षेत्र के खजुरिया गांव की है। जानकारी के मुताबिक, बांकेबाजार थाना क्षेत्र के खजुरिया गांव की रहने वाली पूजा कुमारी और रोशनगंज के रहने वाले संतन कुमार के बीच पिछले दो वर्षो से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों चोरी छीपे एक दूसरे से मिला करते थे लेकिन इस बार प्रेमिका के बुलावे पर प्रेमी उसके घर मिलने जा पहुंचा। इसकी भनक पूजा के परिजनों को लग गई और दोनों रंगेहाथ पकड़े गए। गांव के पास बांकेधाम मंदिर में दोनों प्रेमी युगल की शादी करा दी गई। मंदिर में प्रेमी युगल की शादी की खबर मिलते हीं ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। बताया जा रहा है कि दोनों दूर के रिश्तेदार हैं। पहले दोनों के बीच दोस्ती हुई और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। प्यार परवान चढ़ा और दोनों एक दूसरे से चोरी छीपे मिलने लगे और आखिरकार उनका प्यार अंजाम तक पहुंच गया।

चर्चित IAS केके पाठक के आगे नीतीश सरकार लाचार! फिर हुआ तबादला

अब बने राजस्व पर्षद के अध्यक्ष

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बिहार, नीतीश सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केके पाठक का फिर से तबादला कर दिया है। उनको राजस्व पर्षद का अध्यक्ष बनाया गया है। वह शिक्षा विभाग में अपर मुख्य सचिव के पद पर लगभग एक साल तक रहे। इस दौरान कई तरह के विवादों में भी रहे। खासकर राजभवन के साथ विवाद भी खूब चर्चा में रहा, पटना डीएम के साथ विवाद भी किसी से छिपा नहीं है। स्कूल में छुट्टी को लेकर उनकी सरकार से भी नाराजगी रही और इसी कारण अचानक छुट्टी पर भी चले गए और मनाने पर भी नहीं माने,13 जून को नीतीश सरकार ने केके पाठक का तबादला शिक्षा विभाग से राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर कर दिया था लेकिन राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में भी केके पाठक ने ज्वाइनिंग नहीं दी, वह लगातार अपनी छुट्टी बढ़ाते रहे, आखिरकार सरकार को केके पाठक का फिर से तबादला करना पड़ा है। हालांकि उनके कामकाज की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार तारीफ करते रहे हैं।

सरकारी कार्यक्रम में सीएम नीतीश ने अधिकारी के सामने जोड़ लिए हाथ

बोले- आपसे प्रार्थना करते हैं.. कहिएगा तो हम आपका पैर भी पकड़ लेंगे

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भरी सभा में एक आईएएस अधिकारी के सामने हाथ जोड़ना पड़ गया। मुख्यमंत्री एक सरकारी कार्यक्रम में पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने विभाग के अपर मुख्य सचिव के सामने हाथ जोड़ लिए और कहा कि हाथ जोड़कर आपसे प्रार्थना करते हैं, कहिएगा तो आपके पैर भी छू लेंगे। आखिर क्या कारण हुआ कि एक मुख्यमंत्री को एक अधिकारी के सामने हाथ जोड़ना पड़ गया? दरअसल, बुधवार को मुख्य सचिवालय स्थित संवाद भवन में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में चयनित अभ्यर्थियों के लिए नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री ने करीब 10 हजार युवाओं के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंच पर बैठे विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह से हाथ जोड़ कर अपील की। अपर मुख्य सचिव की तरफ मुखातिब होते हुए मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़ लिया और सख्त लहजे में कहा कि हम आपको हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं.. आपका हम पैर छू लें? हम सबको कहते रहते हैं कि जल्दी करिए.. हमारी ईच्छा है.. हमको जो तकलीफ आजकल हो रही है.. और सब काम बहुत करा दिए.. यह काम भी हो गया तो कितनी खुशी होगी.. बताईए जरा? काम हो रहा है लेकिन और तेजी से काम हो तो और अच्छा है। मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार से कहा कि जमीन की सर्वेक्षण का काम जुलाई 2025 तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में जमीन सर्वेक्षण का काम जल्द से जल्द पूरा होना चाहिए। यह काम दिसंबर 2020 में ही होना था लेकिन 2024 हो गया। सभी काम 2025 तक पूरा करने की बात हो रही है लेकिन यह काम जल्द से जल्द होना चाहिए। काम जल्द खत्म होगा तो लोगों को बता सकेंगे कि काम पूरा हो गया है।

शर्मनाक..! बिहार में 5 साल की बच्ची से स्कूल में गैंग रेप

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

नवादा में रिश्ते को शर्मसार कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां 5 वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। वाकया नगर थाना अंतर्गत एक प्राइवेट स्कूल का है जहां 05 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने के कांड में संलिप्त दो किशोरों को निरुद्ध किया गया है। नगर थाना में बच्ची की मां द्वारा आवेदन दिया गया कि उसकी 5 वर्ष की बेटी के साथ उसके स्कूल में 2 किशोरों ने सामूहिक किया है, सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर थानाध्यक्ष द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर वहां का निरीक्षण किया, पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ किया। बच्ची को इलाज एवं मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल के निर्देशानुसार नगर थाना द्वारा में कांड की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस मामले में अनुसंधान प्रारंभ किया गया। जांच के क्रम में नगर थाना द्वारा हॉस्पिटल एवं घटनास्थल पर जाकर साक्ष्य जुटाया गया। स्कूल परिसर में पूछताछ करने पर यह बात सामने आई की 2 नाबालिग लड़कों द्वारा बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया है। दोनों निरुद्ध कर पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना अपराध स्वीकार किया। इस प्रकार नवादा पुलिस के द्वारा 48 घंटे के अंदर 5 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने के कांड का उद्भेदन करते हुए दोनों आरोपियों को निरुद्ध किया।

अररिया के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रशांत किशोर ने किया बड़ा ऐलान, बोले

जब जन सुराज की व्यवस्था बनेगी तो पलायन कर चुके युवाओं- बेरोज़गारों को यहीं 10-12 हज़ार रुपए का रोज़गार, हर प्रखंड में 5 विश्वस्तरीय विद्यालय और बुज़ुर्गों को देंगे 2 हज़ार रुपए प्रतिमाह पेंशन

अररिया- जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर एक दिन के दौरे पर अररिया पहुंचे। अररिया की धरती से प्रशांत किशोर ने तीन बड़े ऐलान किए। प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज का पहला संकल्प है कि जब ये व्यवस्था 2025 में बनेगी तो साल भर के अंदर नाली-गली बने या न बने, स्कूल अस्पताल बने या न बने, जो लड़के मज़दूरी करने के लिए बाहर गए हैं उन्हें और बेरोज़गारों को बिहार में ही 10-12 हज़ार रुपए का रोज़गार दिया जाएगा। दूसरा संकल्प लोगों ने बताया कि बच्चों को बेहतर तालीम देना है। 15 साल से ऊपर की उम्र के बच्चों के लिए हर प्रखंड में कम से कम 5 विश्वस्तरीय विद्यालय बनाए जाएंगे, ताकि गरीब से गरीब लोगों का बच्चा भी बेहतर तालीम हासिल कर सके। तीसरी बात लोगों ने कही कि 60 साल से ऊपर के उम्र के लोगों को बिहार सरकार 400 रुपए की भीख दे रही है। जन सुराज ने तय किया है जिस दिन ये व्यवस्था बनेगी उस दिन 60 साल से अधिक उम्र के पुरुषों और महिलाओं को कम से कम 2 हज़ार रुपए मासिक पेंशन की व्यवस्था की जाएगी। अब आप लोगों को बताना है कि आपको चार किलो अनाज चाहिए या अपने बच्चों के लिए रोज़गार चाहिए? इसपर लोगों ने हाथ उठाकर रोज़गार कहा।

प्रशांत किशोर ने सवाल पूछा कि आपको अपनी जाति का नेता चाहिए या अपने बच्चों के लिए के लिए शिक्षा चाहिए? इसपर लोगों ने हाथ उठाकर शिक्षा कहा।